अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—183 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 3 नवम्बर 2021 पृष्ठ — 8 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

सपा से निष्कासित विधायक सुभाष पासी भाजपा में शामिल हुये

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल की गतिविधियों को गति प्रदान करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक सुभाष पासी मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शामिल हो गये। भाजपा में शामिल होने से चंद घंटों पहले ही पासी को सपा ने निष्कासित किया था। गाजीपुर की सैदपुर विधानसभा सीट से सपा के विधायक पासी और उनकी पत्नी रीना पासी को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी। उल्लेखनीय है कि पासी के भाजपा में शामिल होने की सुगबुगाहट सियासी गलियारों में तेज होते ही सपा नेतृत्व ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा कर दी। ट्विटर पर सपा ने उनके निष्कासन की आधिकारिक घोषणा करते हुये कहा, ''गाजीपुर की सैदपुर विधानसभा से सपा विधायक सुभाष पासी जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पार्टी से निष्कासित किया जाता है।'' हाल ही में सीतापुर से भाजपा के विधायक राकेश राठौर के अलावा बसपा के छह निष्कासित विधायकों को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलायी थी।

उत्तर प्रदेश के सम्भल में पुलिस की गाड़ी पर पथराव, मामला दर्ज

सम्भल, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के सम्भल में पुलिस के वाहन पर पथराव करने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात सम्भल थाना क्षेत्र के मंडी किशन दास सराय गांव में कुछ लोगों के जुआ खेलने के बारे में सूचना मिली थी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि जुआ खेलने वाले लोग वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि घटना स्थल से लौटते समय कुछ लोगों ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव कर दिया, जिससे गाड़ी के शीशे टूट गए। घटना के संबंध में सम्भल कोतवाली में मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना में संलिप्त लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहली डोज के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग की अनिवार्यता खत्म, सीधे सेंटर पर जाकर लगवा सकेंगे वैक्सीन

अवध की आवाज

लखनऊ। केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बीच उत्तर प्रदेश में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। ताजा स्थिति के मुताबिक, 41 जिलों में कोविड का भी मरीज नहीं

है। तो 17 जिलों में 01—01 मरीज ही शेष हैं. बीते 24 घंटों में 01 लाख 38 हजार 271 सैंपल की जांच हुई, जहां गौतमबुद्ध नगर और प्रयागराज में 2—2 और बलरामपुर, बस्ती और गाजीपुर में 1—1 नए मरीज मिले। इसी अवधि में 10 मरीज स्वस्थ भी हुए. फिलहाल प्रदेश में कुल 102 कोरोना मरीज हैं. इसके साथ ही, दूसरे राज्यों की स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सर्विलांस और जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। मंगलवार को उच्चस्तरीय टीम—09 के साथ समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के साथ—साथ तेज टीकाकरण की नीति के अच्छे परिणाम मिले हैं। बीते 30 अप्रैल को यहां 3,10,786 कोरोना मरीज थ। लेकिन लगातार कोशिशों से आज यह संख्या महज 102 बची है। जबकि 16,87,165 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पहली डोज के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग की अनिवार्यता खत्म कोविड टेस्ट और टीकाकरण की देशव्यापी स्थिति में यूपी पहले पायदान पर बना हुआ है। प्रदेश में अब तक 13 करोड़ 17 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। 03 करोड़ 32 लाख से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड का सुरक्षा कवर प्रदान कर दिया गया है. जबकि 09 करोड़ 85 लाख लोगों ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है। टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी के 67 फीसदी लोगों ने पहली डोज प्राप्त कर ली है.। सीएम के निर्देश पर अब पहले डोज के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अब सीधे टीकाकरण केंद्र पर सम्पर्क कर वैक्सीन लगवाई जा सकती है।जनपद आगरा, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, बदायूं, बागपत, बलिया, बहराइच, भदोही, बिजनौर, बुलंदशहर, चन्दौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, जौनपुर, कानपुर देहात, कासगंज, कुशीनगर, महराजगंज, महोबा, मैनपुरी, मीरजापुर, प्रतापगढ़, सतकबीर नगर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर और उन्नाव में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है. यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। सीएम ने कहा कि कानपुर में अब तक हुई 750 से अधिक सैम्पल की जांच में जीका वायरस के 11 मरीज मिले हैं. ऐसे में सर्विलांस को और बेहतर करने की जरूरत है. डेंगू और डायरिया के मरीजों की संख्या में आई कमी का संज्ञान लेते हुए सीएम ने निगरानी समितियों को एक्टिव रखने के निर्देश दिए. उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों की पहचान करने और जरूरत के अनुसार सभी को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए सभी प्रबंध किए जाएं।

नई बिलिंग एजेंसियों की हर माह कराएं अश्वडिट ताकि जनता को न हो परेशानी : श्रीकान्त शर्मा

लखनऊ (वेब वार्ता)। ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने मंगलवार को ऊर्जा विभाग की समीक्षा की। एकमुश्त समाधान योजना की बहुत ही धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने गलत बिलिंग, समय पर बिल न पहुंचने तथा कम बकाये पर ही कनेक्शन काटे जाने की शिकायतों पर भी नाराजगी जताते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा यूपीपीसीएल चेयरमैन उपभोक्ता हित में नई बिलिंग एजेंसियों के कार्यों की हर माह ऑडिट कराएं। मंत्री ने कहा कि उपभोक्ता सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। एकमुश्त समाधान योजना की धीमी प्रगति पर उन्होंने कहा कि सरकार ने उपभोक्ता हित में बहुत ही महत्वपूर्ण योजना शुरू की है, लेकिन विभाग के अधिकारी अभी उपभोक्ताओं के घर तक नहीं पहुंच पाए हैं। यह किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। पहले सभी बड़े बकायेदार उपभोक्ताओं के दरवाजे पर दस्तक दें, उन्हें इसके लाभ बताएं। कम बकाये पर कनेक्शन काटने की शिकायतों पर डिस्कॉम के एमडी जवाबदेही तय करें। उपभोक्ताओं को परेशान करने वालों से सख्ती से निपटें। उन्होंने बिलिंग से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिदिन के लक्ष्य तय करने के निर्देश दिए। कहा कि डिस्कॉम एमडी इसकी हर माह समीक्षा करें। यूपीपीसीएल के अध्यक्ष भी इसकी निगरानी करें। सभी उपभोक्ताओं को समय से बिल मिले, बिल में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे, हर माह मीटर की रीडिंग सुनिश्चित हो। कहीं भी कमी है तो उसे तत्काल दूर कर संबंधित को जवाबदेह बनाएं। निर्देशों का अनुपालन नहीं करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करें।

पूर्व की भांति महंगे बिक रहे दिए, कुम्हारों के चेहरो पे भी दिखी मुस्कान

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। दीपावली पर्व जैसे—जैसे नजदीक आता जाता है उसी प्रकार कुम्हार की चाक का पहिया तेजी से घूमने लगता है। हम सभी जानते है कि दीपावली की रौनक बिन दिया अधूरी रहती है। भले ही रंग—बिरंगी झालरों ने दियों का स्थान ले लिया हो। मगर दियों का क्रेज आज भी कम नही है। साल भर दीपावली त्यौहार का इंतजार करते कुम्हारों को बस यही उम्मीद रहती है की इस बार दीवाली पर दियों की भारी बिक्री कर त्योहार को धूमधाम से मनाएंगे। यही कारण है कि दीपावली पर्व के एक सप्ताह पूर्व से ही बिक्री के लिए कुम्हार मिट्टी के दिये लेकर गांव—गाँव घूमने लगते है। इस बार भीषण बाढ़ ने कुम्हारों के रोजगार पर भी अपना असर छोड़ा है। दीपावली के ठीक पंद्रह दिन पहले आयी भीषण बाढ़ ने कुम्हारों के लिए भी आफत खड़ी कर दी है। हर जगह बाढ़ का पानी भरा होने के चलते कुम्हारों को मिट्टी मिल पाना दूभर हो गया है।

पूर्व की भांति महंगे बिक रहे दिए

कारोबारियों ने बताया कि मिट्टी के दियों के भाव पहले की भांति इस बार महंगे हुए है। भीषण बाढ़ की वजह से मिट्टी नही मिल पा रही है जिसके चलते कुम्हारों को काफी दूर से मिट्टी लाना पड़ रहा है। और दिये कम मात्रा में बन पा रहे है। पूर्व में ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे दियों के भाव 70 से 80 रुपये प्रति सैकड़ा थे मगर इस बार 90 से 100 रुपये प्रति सैकड़ा के भाव बेंचे जा रहे है।

कई अधिकारियों ने बाढ़ में निभाई अपनी पूरी जिम्मेदारी

खण्ड विकास अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने गौशाला में खुद जाकर गायों को पानी से निकालने का किया कार्य

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। विकास खण्ड निघासन में कई अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है वो चाहे जिस विभाग के क्यों न हो फिर चाहे वो खाकी हो,या फिर विकास विभाग सभी ने अपनी जिम्मेदारी समझ कर अपना कर्तव्य पूरी ईमानदारी से निभाया है। अभी हाल ही में एक मामला देखने को मिला जी हाँ विकास खण्ड निघासन की ग्राम पंचायत रकेहटी की गौशाला में अचानक बाढ़ का पानी जा घुसा और पूरी गौशाला जल मगन हो गयी। तो निघासन के तेजतर्रार खण्ड विकास अधिकारी राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कई ग्राम विकास अधिकारी जैसे विनय मौर्या, पवन कुमार द्विवेदी,विवेक सक्सेना, उपदेश वर्मा ने गौशाला में जा कर सभी गायों को पानी से निकाल कर ऊंचे स्थान पर पहुँचाने का कार्य किया है। उस कठिन परिस्थितियों में सभी अधिकारियों ने उन गायों को चारा देना दवा देना उनकी देख रेख करना और उसको सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का कार्य पूरी रात जग जग कर किया है। कभी कभी जीन अधिकारियों ,व कर्मचारियों की बुराई करते हम लोग नही थकते है। उन पर किंतनी जिम्मेदारी होती है। वो ये सब बया किया है। इस गौशाला ने जहाँ कोई जा नही सकता था उस जगह पर घुस घुस कर गाये निकाली गयीं है। अपनी जान जोखिम में डाल कर गायों की जान बचाई है।

गाजीपुर में अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से 7 लोगों की मौत

गाजीपुर, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की सुबह सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक सहित कुल सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा मुहम्मदाबाद कोतवाली की अहिरौली चट्टी में सुबह करीब सात बजे राजमार्ग पर हुआ। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने शव रखकर रास्ता जाम कर दिया। पुलिस के अनुसार बलिया की ओर से एक तेज रफ्तार ट्रक मुहम्मदाबाद की ओर आ रहा था। उसी बीच एक बाइक सवार को बचाने की कोशिश में चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क के बाईं ओर स्थित चाय की एक दुकान के सामने बैठे लोगों को रौंदते हुए एक झोपड़ी में घुस गया। चाय की दुकान स्थानीय निवासी त्रिलोकी विश्वकर्मा की बतायी गयी है। इसमें दुर्घटना स्थल पर ही चार लोगो उमाशंकर यादव (52) पुत्र चंद्रदेव यादव निवासी जीवनदासपुर उर्फ बसाऊ का पुरा थाना मुहम्मदाबाद, वीरेंद्र राम (40) पुत्र रामबचन, सत्येंद्र ठाकुर (28) पुत्र हीरा ठाकुर, गोलू यादव (14) पुत्र दरोगा यादव निवासीगण अहिरौली थाना मुहम्मदाबाद की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। इनके अलावा श्यामबिहारी कुशवाहा (48) पुत्र दशरथ कुशवाहा और चंद्रमोहन राय (47) पुत्र डॉ. भगवान राय गंभीर रूप से घायल हो गये, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी में तैनात फार्मेसिस्ट शिवप्रसाद ने बताया कि चंद्रमोहन राय की इलाज के दौरान मौत हो गयी। वहीं घायल श्यामबिहारी कुशवाहा और ट्रक चालक को जिला अस्पताल से रेफर कर वाराणसी भेज दिया गया था। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गयी। हादसे के बाद गुस्साये ग्रामीणों ने राजमार्ग पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे सीओ मुहम्मदाबाद रवींद्र वर्मा, मुहम्मदाबाद कोतवाल अशोक मिश्र ने जाम खत्म कराने की कोशिश की मगर ग्रामीण किसी बड़े अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। सुबह दस बजे जिलाधिकारी एमपी सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आरडी चौरसिया मौके पर पहुंच गए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के इंजीनियर को मौके पर तलब कर एलान किया कि उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज होगी।

बदलती दुनिया में युद्धों का स्वरूप भी अलग होगा और युद्ध मैदान भी अलग तरह के होंगे

–अशोक मधुप–

आधुनिक युद्ध कोरोना की तरह शहरों में, गलियों में और भीड़ वाली जगह में लड़ा जाएगा। किसी विषाक्त वायरस से हमें कोरोना से बचाव की तरह जूझना होगा। बुजुर्ग कहते आए हैं कि ईश्वर जो करता है, अच्छा करता है। हर मुसीबत में कोई संदेश, कोई भविष्य के लिए तैयारी होती है। दुनिया के देश आधुनिक युद्धास्त्र बनाने में लगे हैं। परमाणु बम, हाइड्रोजन बम के आगे के विनाशक बम पर काम चल रहा है। सुपर सोनिक मिसाइल बन रही हैं, किंतु लगता है कि आधुनिक युद्ध इन सबसे अलग तरह के अस्त्रष्शस्त्रों के लड़ा जाएगा। अलग तरह के युद्ध होंगे। लगता है कि आने वाले युद्ध सीमा पर नहीं, शहरों में लड़े जाएंगे। घरों में लड़े जाएगे। गलीदृमुहल्लों में लड़े जाएंगे। अभी से हमें इसके लिए सोचना और तैयार होना होगा।

इसे भी पढ़ें: क्या अगली महामारी हो सकती है निपाह वायरस? भविष्य में बढ़ सकता है खतरा

पुणे इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित 'पुणे डॉयलॉग' में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि भविष्य में खतरनाक जैविक हथियार दुनिया के लिए गंभीर परिणाम साबित हो सकता है। दुनिया के लिए किसी भी जानलेवा वायरस को हथियार बनाकर इस्तेमाल करना गंभीर बात है। एनएसए डोभाल ने अपने बयान में कोरोना वायरस का उदाहरण देते हुए जैविक हथियारों का मुद्दा उठाया। 'आपदा एवं महामारी के युग में राष्ट्रीय सुरक्षा की तैयारियों' पर बोलते हुए अजीत डोभाल ने कहा कि आपदा और महामारी का खतरा किसी सीमा के अंदर तक सीमित नहीं रहता और उससे अकेले नहीं निपटा जा सकता। इससे होने वाले नुकसान को घटाने की जरूरत है।

अभी तक पूरी दुनिया इस खतरे से जूझ रही है कि परमाणु बम किसी आतंकवादी संगठन के हाथ न लग जाए। उनके हाथ में जाने से इसे किस तरह रोका जाए द्व उधार आतंकवादी नए तरह के हथियार प्रयोग कर रहे हैं। शिक्षा बढ़ी है तो सबकी सोच बढ़ी है। दुनिया के सुरक्षा संगठन समाज को सुरक्षित माहौल देने का प्रयास कर रहे हैं। आतंकवादी घटनाएं कैसे रोकी जाएं, ये योजनाएं बना रहे हैं। आतंकवादी इनमें से निकलने के रास्ते खोज रहे हैं। वे नएष्नए हथियार बना रहे हैं। अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमले से पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि विमान को भी घातक हथियार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इसमें विमानों को बम की तरह इस्तेमाल किया गया। माचिस की तिल्ली आग जलाने के लिए काम आती है। बिजनौर में कुछ आतंकवादी इन माचिस की तिल्लियों का मसाला उतार कर उसे गैस के सिलेंडर में भर कर बम बनाते समय विस्फोट हो जाने से घायल हुए।

हम विज्ञान और कम्प्यूटर की ओर गए। हमारे युद्धास्त्र कम्प्यूटरीकृत हो रहे हैं। उधर शत्रु इस सिस्टम को हैक करने के उपाय खोज रहा है। लेजर बम बन रहे हैं। हो सकता है कि हैकर शस्त्रों के सिस्टम हैक करके उनका प्रयोग मानवता के विनाश के लिए कर बैठे। रोगों के निदान के लिए वैज्ञानिक रोगों के वायरस पर खोज रहे हैं। उनके टीके बना रहे हैं। दवा विकसित कर रहे हैं, तो कुछ वैज्ञानिक इस वायरस को शस्त्र के रूप में प्रयोग कर रहे हैं।

साल 1763 में ब्रिटिश सेना ने अमेरिकियों पर चेचक के वायरस का इस्तेमाल हथियार की तरह किया। 1940 में जापान की वायुसेना ने चीन के एक क्षेत्र में बम के जरिये प्लेग फैलाया था। 1942 में जापान के 10 हजार सैनिक अपने ही जैविक हथियारों का शिकार हो गए थे। हाल ही के दिनों में आतंकी गतिविधियों के लिए जैविक हथियार के इस्तेमाल की बात सामने आई है। इससे हमें सचेत रहना होगा। सीमाओं की सुरक्षा के साथ इन जैविक शस्त्रों से निपटने के उपाय खोजने होंगे। चीन की लैब में विकसित हो रहा कोरोना का वायरस अगर लीक न होता तो आने वाले समय में उसके किस विरोधी देश में फैलता यह नहीं समझा जा सकता, क्योंकि आज चीन की एकदृदो देश छोड़ पूरी दुनिया से लड़ाई है।

लगता है कि आधुनिक युद्ध कोरोना की तरह शहरों में, गलियों में और भीड़ वाली जगह में लड़ा जाएगा। किसी विषाक्त वायरस से हमें कोरोना से बचाव की तरह जूझना होगा। बुजुर्ग कहते आए हैं कि ईश्वर जो करता है, अच्छा करता है। हर मुसीबत में कोई संदेश, कोई भविष्य के लिए तैयारी होती है। ऐसा ही शायद कोरोना महामारी के बारे में माना और समझा जा सकता है। जब यह महामारी फैली तो इसके लिए पूरा विश्व तैयार नहीं था। इसके फैलने पर सब आश्चर्यचकित से हो गए किसी की समझ में कुछ नहीं आया। आज डेढ़ साल से ज्यादा हो गया, इसकी दुष्ट छाया से हमें मुक्ति नहीं मिली। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान पूरी दुनिया में 50 लाख से ज्यादा मौत हुई है। जब यह महामारी आई तो किसी को न इसके बारे में पता था, न ही इसके लिए कोई तैयार था। आज डेढ़ साल के समय में दुनिया ने इसके अनुरूप अपने को तैयार कर लिया। वैक्सीन बनाई ही नहीं, तेजी से लगाई भी जा रही है। ये सब जानते हैं कि कोराना अभी गया नहीं, फिर भी अधिकतर लोग लापरवाह हो गए। इसके प्रति बरते जाने वाले सुरक्षा उपाय करने छोड़ दिए। हमने इसके साथ जीना सीखा लिया।

आज पूरी दुनिया कोरोना वायरस की मार झेल रही है। भविष्य के जैविक हथियारों के खिलाफ सुरक्षा रणनीति को लेकर अजीत डोभाल ने कहा कि देश को अब नई रणनीति बनाने की जरूरत है। चीन का नाम लिए बिना अजीत डोभाल ने कहा कि बायोलॉजिकल रिसर्च करना बेहद जरूरी है। लेकिन इसकी आड़ में इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ऐसी रणनीति बनाई जाए जो हमारे मकसद को पूरा करे और हमारा नुकसान कम से कम हो।

कोरोना से युद्ध के बाद देश चिकित्सा सुविधा का विस्तार कर रहा है। कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की मारामारी मची। आज हम जिला स्तर पर सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन बनाने के संयंत्र लगा चुके हैं। जिला स्तर तक मेडिकल कॉलेज बनाना शायद इसी रणनीति का भाग है। जगहदृजगह आधुनिक अस्पताल बन रहे हैं। वैक्सीन विकास का काम भी इसी की कड़ी का एक हिस्सा है। प्रकृति के दोहन के दुष्परिणाम से होने वाली आपदाएं हमें झेलनी होंगी। उसके लिए तैयार होना होगा और काम करना होगा। चिकित्सा सुविधाएं गांवष्गांव तक पहुँचानी होंगी। स्वास्थ्य वर्कर गांवदृगांव तक तैयार करने होंगे। आपदा नियंत्रण के लिए जन चेतना पैदा करने के लिए गांवष्गांव तक वालंटियर बनाने होंगे और उन्हें प्रशिक्षित करना होगा। हमला किस तरह का होगा, उसका रूप क्या होगा, नहीं कहा जा सकता। बस नए हालात और परिस्थिति के लिए हम अपने और अपने समाज को तैयार कर सकते हैं।

सम्पादकीय

क्यों नहीं शाहरुख चलें कलाम और प्रेमजी के रास्ते पर

शाहरुख खान के शहजादे आर्यन खान को ड्रग्स केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। उनके साथ मॉडल मुनमुन धमेचा और अरबाज मर्चेंट को भी बेल मिल गई। अब यह समझना जरूरी है कि बेल का मतलब यह नहीं है कि आर्यन उन आरोपों से मुक्त हो गये हैं, जो उन पर लगे हैं। अब उन पर केस चलेगा और यह लंबा खिंच सकता है। आर्यन के वकील मुकुल रोहतगी ने खुद ही कहा कि भारत में किसी केस पर फैसला आने में खासा वक्त तो लग ही जाता है। अगर बात फिरोज खान के एक्टर पुत्र फरदीन खान की करें तो उस पर फैसला आने में आठ साल लगे थे। फरदीन भी ड्रग्स से जुड़े केस मे फंसे थे। तो बहुत साफ है कि अभी आर्यन खान और उनके परिवार, खासतौर पर पिता शाहरूख खान की मुश्किलें खत्म होने में खासा वक्त लग सकता है।

आर्यन खान के ड्रग्स केस में कथित रूप से शामिल होने के दौरान शाहरूख खान को घोर मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा होगा। वे जरूर यह तो सोच ही रहे होंगे कि अपने को बॉलीवुड का किंग बनाने और पैसा कमाने की हवस के चक्कर में वे अपने पुत्र की ही कायदे से परवरिश करने में नाकाम रहे। शूटिंग, विज्ञापन, आईपीएल, ट्रेवलिंग, शादियों में पैसे के लिए डांस करने के दौरान उनके पास वक्त ही नहीं रहा कि वे आर्यन खान के साथ भी कुछ वक्त बिता सकते।

दरअसल, सफलता अपनी बहुत बड़ी कीमत मांगती है। दिल्ली के इस अति सामान्य परिवार के नौजवान शाहरूख खान ने माया नगरी में जाकर मानों यह एक ही फैसला कर लिया था कि वह अब सिर्फ नोट कमाएंगे। उनके लिए जीवन में बाकी किसी अन्य चीज के लिए जैसे घर–परिवार के लिये कोई जगह नहीं होगी। नतीजा सबके सामने है। उन्होंने पैसा तो कमाया पर वे अपने पुत्र को एक बेहतर नागरिक बनाने में नाकाम रहे। उनका पैसा और शोहरत किस काम का अगर वह अपने पुत्र पर ही नजर नहीं रख सके। उनके फिल्मी सफर पर नजर डालें तो उन्होंने कोई भी सामाजिक या देश भक्ति का संदेश देने वाली फिल्म नहीं बनाई। उन्होंने जिन फिल्मों में काम किया उन्हें बनाया, वह लगभग सब विशुद्ध कमर्शियल और मनोरंजक फिल्में थीं। उनसे तो मीलों आगे रहे आमिर खान जिन्होंने "लगान", थ्री इडियट्स, दंगल जैसी बेहतर फिल्में बनाईं। अब आर्यन खान की बेल तो हो गई तो शाहरुख खान को अपने अभी तक के काम का मूल्यांकन तो करना ही चाहिए। उन्हें सोचना होगा कि उन्हें इस देश ने अपार प्रेम दिया है लेकिन उन्होंने इसके बदले में देश को क्या दिया। वे इतने बड़े स्टार होने के बावजूद किसी भी सामाजिक या राष्ट्र निर्माण के काम से कभी नहीं जुड़े। वे कभी किसी अहम मसले पर स्टैंड भी नहीं लेते। वे जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) में पढ़े हैं। लेकिन उन्होंने जेएमआई के विद्यार्थियों के नागरिकता संशोधन एक्ट (सीएए) पर किए गए बवाल के बाद भी जुबान नहीं खोली थी। जेएमआई के विद्यार्थियों ने तबीयत से उपद्रव किया था, बसों को तोड़ा था और सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाई थी। लेकिन शाहरूख खान चुप रहे थे। क्या उन्हें उस वक्त दो शब्द बोलने नहीं चाहिए ताकि जेएमआई के छात्र बवाल नहीं काटते। शाहरूख खान तब भी अज्ञातवास में चले गए थे, जब जामिया के विद्यार्थियों ने सिर्फ इसलिए हंगामा मचा दिया था, क्योंकिय यहां हो रहे एक कार्यक्रम में इजराइल की भी भागेदारी थी। जामिया के विद्यार्थी कह रहे थे कि वे जामिया में इजराइल की किसी भी सूरत में एंट्री नहीं होने देंगे। तब शाहरूख खान जामिया के छात्रों को कह सकते थे कि उन्हें अपने किसी भी विचार को व्यक्त करने की आजादी है। वे अपनी जरूरी मांगों के लिए लड़ भी सकते हैं। इन मांगों में छात्रावास, लाइब्रेरी भोजन, पढ़ाई, परीक्षा या किसी अध्यापक से संबंधित कोई बात हो सकती है। लेकिन, वे यह तय नहीं कर सकते कि जामिया के किसी आयोजन में किस देश के नुमाइंदे हों या न हों। कहने का मतलब यह है कि शाहरूख खान देश हित के सवालों पर स्टैंड लेने से बचते हैं।

सारा देश जानता है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं। वे खुद भी कहते हैं कि वे क्रिकेट देखना–खेलना पसंद करते हैं। तो क्या उन्हें पता नहीं होगा कि टी–20 वर्ल्ड कप में भारत पाकिस्तान के बीच हुए मैच के खत्म होने के बाद एक खास समुदाय के लोगों ने आतिशबाजियां छोड़ीं। उन्होंने अपने कॉलेजों में जश्न मनाया? भारत के लिए अपशब्द कहे। क्या शाहरूख खान को इन घोर राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ बोलना नहीं चाहिए था? वे अगर इन्हें कसते तो उनकी सारे देश में छवि एक नए रूप में उभर कर सामने आती। उनकी इज्जत में चार चांद लग जाते। शाहरूख खान ने इस तरह के सारे सुनहरे मौके खो दिये । वे देश द्रोहियों को कड़ी सजा देने की अपील करके अपने को डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम और अजीम प्रेमजी की श्रेणी में खड़ा कर सकते थे।

शाहरूख खान खाली हाथ मुंबई गए थे। उन्हें मुंबई ने क्या नहीं दिया। पर उनके शहर में जब पाकिस्तान ने आतंकी हमला करवाया तो भी उन्होंने पाकिस्तान या वहां के कठमुल्लों के खिलाफ एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं दिखाई। कोई माने या ना मानें, पर लगता यही है कि शाहरूख खान की सोच का दायरा फिल्मों और क्रिकेट तक ही सीमित है। उन्हें लगता है कि पैसा कमाना ही जीवन है। कोई उन्हें बताए कि हर शख्स को मृत्यु तो आनी ही है, तो फिर पैसे के लिए इतनी मारामारी करने की क्या जरूरत है। पैसा कमाओ पर समाज और देश के लिए भी कुछ करते चलो। वे डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, अजीम प्रेमजी, मौलाना वहीदुद्दीन खान की तरह के इंसान बनना ही नहीं चाहते। इस तरह के अनगिनत मुसलमान चुपचाप अपने ढंग से राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं। मौलाना वहीदुद्दीन खान ने कभी कठमुल्लों को नहीं छोड़ा। देश के आदर्श आईटी कंपनी विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी शुरू से ही परमार्थ कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं। वे देश के एक महान नायक हैं। उन्होंने पिछले वित्त वर्ष 2019–20 में परोपकार से जुड़े सामाजिक कार्यों के लिये हर दिन 22 करोड़ रुपये यानी कुल मिलाकर सात हजार,904 करोड़ रुपये का दान दिया है। शाहरूख खान के पास अब भी वक्त है कि वे बॉलीवुड के किंग से इतर भी अपनी एक इमेज बनाएं। इसके साथ ही वे अपने घर के सदस्यों को कुछ अधिक समय दें। अपने संघर्ष के दिनों के मित्रों से भी कभी मिलें और उनके सुख–दुःख बांटें।

स्वास्थ्य सेवाओं के साथ नागरिकों की भागीदारी भी बेहद अहम

दृडॉ. अरविंद राजवंशी–

कोरोना महामारी के दौर में सभी ने संयम और समझदारी का परिचय दिया है। उसका नतीजा अब सामने आ रहा है। कोरोना के दैनिक मामले बेहद कम आ रहे हैं। कोरोना टीकाकरण में देश विश्व के सामने एक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। सौ करोड़ के जादुई आंकड़े के पार पहुंचना आसान नहीं था। भारत ने यह कर दिखाया है। इसके लिए सरकार की तैयारी, स्वास्थ्य सेवाओं के लोगों की कर्तव्यपरायणता और आम जनता की भागीदारी अहम रही है। कोरोना महामारी खत्म नहीं हुई है। इसलिए हमें खुद समझना है और दूसरे लोगों को भी समझाना है कि सरकार और व्यवस्था की एक सीमा होती है, इसलिए देश और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्य को समझना होगा। अभी तक सभी ने बेहतर काम किया है।

अभी त्योहार का मौसम चल रहा हैं। कुछ महीने और पर्व–त्योहार चलेंगे। सार्वजनिक आयोजन भी हो रहे हैं। लोगों की यात्राएं भी हो रही हैं। जीवन के लिए सभी चीजें जरूरी हैं लेकिन सबसे अहम है अपने जीवन की रक्षा। इसके लिए जरूरी है कि कोरोना के दौरान हम स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बताए बातों का पालन करें। जब भी घर से निकलें, मास्क पहनें। इसे भूलना नहीं है। आपने कोरोना टीका लगा लिया है, इसका यह मतलब नहीं होता कि आप मास्क नहीं पहनेंगे। अभी मास्क पहनना अनिवार्य है। जो लोग किसी कारण से अब तक टीका नहीं लगवा पाएं हैं, उनको टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

कोविड से बचने के लिए जल्द से जल्द टीकाकरण और कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करना ही बेहतर हथियार है। कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करने के मामले में लोग अधिक गंभीर नहीं हैं, यह बेहद दुखद है कि ग्रामीण इलाकों में आप आज भी ऐसी स्थिति देख पाएगें, जहां लोग कोविड अनुरूप आदतों को नजरअंदाज करते हैं। उन्हें लगता है कि वह कोविड से संक्रमित नहीं होगें और कोरोना वायरस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। लोगों के इस व्यवहार को समझना होगा। कोविड की अगली किसी भी लहर से हम तब ही बच सकते हैं जबकि व्यापक स्तर पर कोविड का वैक्सीन लगवाया जाए और वैक्सीन लगने के बाद भी कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन किया जाए।

यदि हम सभी सख्ती से कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करें तो निश्चित रूप से महामारी की किसी भी लहर को रोका जा सकता है। इसके लिए लोगों को कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करना होगा। सही तरीके से मास्क पहनें, हाथों को लगातार साफ करते रहें या सैनेटाइज करते रहें, भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें, सामाजिक दूरी का पालन करें। ये सभी कोविड से बचने के लिए प्राथमिक स्तर के प्रयास हैं। हम वर्षों से त्योहार एक दूसरे के साथ गले मिलकर, बधाइयां देकर और मेलजोल करते हुए मनाते आए हैं लेकिन इस बार के त्योहार बिल्कुल अलग कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करते हुए मनाएं। यह हमारे अंदर एक जिम्मेदारी का एहसास भी पैदा करेगा कि हम समाज को सुरक्षित रखते हुए अपनी परंपराओं को निभा रहे हैं। घर के बच्चों को इस बारें में जरूर बताएं। बच्चे लंबे समय से न तो स्कूल गए हैं और न ही दोस्तों के साथ मिले हैं, बच्चों के लिए त्योहार का मतलब खूब सारी मस्ती और दोस्तों के साथ मिलना जुलना होता है। बड़ों का यह फर्ज है कि वह बच्चों को समझाएं कि कोविड अभी गया नहीं है। हमें त्योहार मानते हुए भी कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करते रहना है।

(लेखक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायबरेली के निदेशक हैं)

बिजली संकट का सामना कीजिए

–भरत झुनझुनवाला–

बीते समय बरसात में कोयले की खदानों में पानी भरने से अपने देश में कोयले का उत्पादन कम हुआ था। बिजली का उत्पादन भी कम हुआ और कई शहरो में पॉवर कट लागू किए गए। फिलहाल बरसात के कम होने से यह संकट टल गया है। लेकिन यह केवल तात्कालिक राहत है। हमें इस समस्या के मूल कारणों का निवारण करना होगा अन्यथा इस प्रकार की समस्या बार–बार आती रहेगी। वर्तमान बिजली संकट के तीन कथित कारणों का पहले निवारण करना जरूरी है। पहला कारण बताया जा रहा है कि कोविड संकट के समाप्तप्राय हो जाने के कारण देश में बिजली की मांग बढ़ गई है जिसके कारण यह संकट पैदा हुआ है। यह स्वीकार नहीं है क्योंकि अप्रैल से सितंबर 2019 की तुलना में अप्रैल से सितंबर 2021 में कोयले का 11 फीसदी अधिक उत्पादन हुआ था। इसी अवधि में देश का जीडीपी लगभग उसी स्तर पर रहा। यानी कोयले का उत्पादन बढ़ा और आर्थिक गतिविधि पूर्व के स्तर पर रही। इसलिए बिजली का संकट घटना चाहिए था, न कि बढ़ना चाहिए था जैसा कि हुआ है। दूसरा कारण बताया जा रहा है कि कोयले के खनन में बीते कई वर्षों में निवेश कम हुआ है। बिजली उत्पादकों का रुझान सोलर एवं वायु ऊर्जा की तरफ अधिक हो गया है। यह बात सही हो सकती है, लेकिन इस कारण बिजली का संकट पैदा नहीं होना चाहिए था। कोयले के खदान में जितने निवेश की कमी हुई है, यदि उतना ही निवेश सोलर और वायु ऊर्जा में किया गया तो कोयले से बनी ऊर्जा में जितनी कमी आई होगी, उतनी ही वशद्धि सोलर और वायु ऊर्जा में होनी चाहिए थी। ऊर्जा क्षेत्र में कुल निवेश कम हुआ हो, ऐसे संकेत नहीं मिलते हैं। इसलिए कोयले में निवेश की कमी को संकट का कारण नहीं बताया जा सकता है। हाल में आए बिजली के संकट का मूल कारण ग्लोबल वार्मिंग दिखता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक तरफ बिजली का उत्पादन कम हुआ तो दूसरी तरफ बिजली की मांग बढ़ी है। पहले उत्पादन पर विचार करें। जैसा ऊपर बताया गया है, बीते समय में बाढ़ के कारण कोयले का खनन कम हुआ था। यह बाढ़ स्वयं ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ी है, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग से वर्षा कम समय में अधिक मात्रा में होने के अनुमान हैं जो कि बाढ़ का कारण बनता है। इसलिए बाढ़ को दोष देने के स्थान पर हमको ग्लोबल वार्मिंग पर ध्यान देना होगा। ग्लोबल वार्मिंग का दूसरा प्रभाव यह रहा है कि अमरीका के लुजियाना और टेक्सास राज्यों में कई तूफान आए। इन्हीं राज्यों में तेल का भारी मात्रा में उत्पादन होता है जिससे विश्व अर्थव्यवस्था में तेल की उपलब्धि कमी हुई और कोयले का उपयोग बढ़ा। विश्व बजार में कोयले की मांग बढ़ी, दाम बढेढ और हमारे लिए आयातित कोयला महंगा हो गया जिसके कारण अपने देश में भी संकट पैदा हुआ।

ग्लोबल वार्मिंग का तीसरा प्रभाव चीन में रहा है। चीन के कई क्षेत्रों में सूखा पड़ा है जिसके कारण जल विद्युत का उत्पादन कम हुआ है और कई क्षेत्रों में हवा का वेग कम रहा है जिसके कारण वायु ऊर्जा का उत्पादन कम हुआ है। इन तीनों रास्तों से ग्लोबल वार्मिंग ने कोयले और बिजली की उपलब्धिा को कम किया है। दूसरी तरफ ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही ऊर्जा की मांग बढ़ी है। बीते वर्ष यूरोप एवं अन्य ठंडे देशों में सर्दी का समय लंबा खींचा है जिसके कारण वहां घरों को गर्म रखने के लिए तेल की खपत बढ़ी है। इस प्रकार ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक तरफ बाढ़, तूफान और सूखे के कारण ऊर्जा का उत्पादन गिरा है तो दूसरी तरफ मकानों को गर्म रखने के लिए तेल की खपत बढ़ी है। इस असंतुलन के कारण विश्व में तेल और कोयले का दाम बढ़ा है और जिसका प्रभाव भारत में भी पड़ा है। हम अपनी खपत का 85 फीसदी तेल और 10 फीसदी कोयला आयात करते हैं। यूं तो 10 फीसदी कम दिखता है, लेकिन आयातित कोयले के महंगा हो जाने के कारण आयातित कोयले पर चलने वाले घरेलू बिजली संयंत्रों से बिजली का उत्पादन महंगा पड़ने लगा जिसे बिजली बोर्डों ने खरीदने से मना कर दिया। कई बिजली संयंत्र बंद हो गए।

इनके बंद होने से जो बिजली उत्पादन में कटौती हुई, उसकी पूर्ति अन्य माध्यम से नहीं हो सकी, क्योंकि साथ–साथ कोयले के घरेलू उत्पादन में कटौती हुई। इसलिए अपने देश में यह समस्या पैदा हो गई। आने वाले समय में ऐसी समस्या पुनः उत्पन्न न हो, इसके लिए हमें दो कदम उठाने होंगे। पहली बात यह कि देश में ऊर्जा की खपत कम करनी होगी। हमारे पास कोयले के भंडार केवल 150 वर्षों के लिए उपलब्ध हैं और तेल के लिए हम आयातों पर निर्भर हैं, इसलिए हमें देश में ऊर्जा के मूल्य को बढ़ाना चाहिए और उस रकम को ऊर्जा के कुशल उपयोग के लिए लगाना चाहिए। जैसे यदि सरकार बिजली का दाम बढ़ा दे और कुशल बिजली की मोटरों को लगाने के लिए सबसिडी दे तो देश में ऊर्जा की खपत कम होगी, लेकिन उद्यमी को नुक्सान नहीं होगा और हमारा जीडीपी प्रभावित नहीं होगा। दूसरा, सरकार को बिजली के मूल्यों में उसी प्रकार मासिक परिवर्तन करना होगा जिस प्रकार तेल के मूल्यों में दैनिक परिवर्तन किया जा रहा है। वर्तमान व्यवस्था में बिजली बोर्डों को उत्पादकों से ईंधन के मूल्य के अनुसार खरीदनी पड़ती है। जब अंतरराष्ट्रीय कोयले अथवा तेल के दाम बढ़ जाते हैं तो इन्हें महंगी बिजली खरीदनी पड़ती है। लेकिन उपभोक्ताओं को इन्हें उसी पूर्व के मूल्य पर बिजली बेचनी पड़ती है क्योंकि उपभोक्ताओं को किस मूल्य पर बिजली बेची जाएगी, यह लंबे समय के लिए विद्युत नियामक आयोगों द्वारा निर्धारित किया जाता है। इसलिए बिजली बोर्डों के सामने संकट पैदा हो गया है। एक तरफ उन्हें महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है, लेकिन उपभोक्ता से वे पूर्व के अनुसार बिजली के कम दाम ही वसूल कर सकते हैं। इसलिए हमें व्यवस्था करनी होगी कि बिजली के दामों में भी उसी प्रकार परिवर्तन किया जाए जिस प्रकार डीजल और पेट्रोल के दाम में परिवर्तन होता है। तब बिजली बोर्ड खरीद के मूल्य के अनुसार उपभोक्ता को महंगी अथवा सस्ती बिजली उपलब्धा करा सकेंगे और इस प्रकार का संकट पुनः उत्पन्न नहीं होगा।

मोदी, पोप और पोप- लीला

दृडॉ. वेदप्रताप वैदिक–

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस भावभीने ढंग से वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मिले, उसके फोटो अखबारों और टीवी पर देखकर कोई भी चकित हो सकता है। वैसे मोदी सभी विदेशी महाप्रभुओं से इसी गर्मजोशी के साथ मिलते हैं, चाहे वह डोनाल्ड ट्रंप हों या जो बाइडन हों। यह एकतरफा अति उत्साह नहीं है। सामनेवाले की गर्मजोशी भी उतनी ही दर्शनीय हो जाती है। मोदी की पोप से हुई भेंट को न तो केरल के कुछ ईसाई और न ही कुछ कम्युनिस्ट नेता आसानी से पचा सकते हैं लेकिन वे यह न भूलें कि पोप से मिलनेवाले ये पहले भारतीय प्रधानमंत्री नहीं हैं।

इनके पहले चार अन्य भारतीय प्रधानमंत्री पोप से वेटिकन में मिल चुके हैं। वे हैंकृ जवाहरलाल नेहरु, इंदिरा गांधी, इंदर कुमार गुजराल और अटलबिहारी वाजपेयी। अप्रैल 2005 में जब पिछले पोप का निधन हुआ, तो भारत के उप–राष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत स्वयं वेटिकन गए थे। उस समय यह प्रश्न भारत और फ्रांस दोनों जगह उठा था कि यदि आपका राष्ट्र धर्म–निरपेक्ष है तो केथोलिक धर्म गुरु की अंत्येष्टि में आपका प्रतिनिधि शामिल क्यों हो? इसका जवाब यह है कि पोप की धार्मिक हैसियत तो है ही लेकिन वेटिकन एक राज्य भी है और पोप उसके सर्वोच्च शासक हैं। यों भी किसी भी देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री रोम जाते हैं तो वे पोप से प्रायः मिलते हैं लेकिन मोदी और पोप की इस भेंट से जो लोग नाराज हुए हैं, उनकी शिकायत है कि मोदी–राज में ईसाइयों और मुसलमानों पर काफी जुल्म हो रहे हैं।

भाजपा इस भेंट का इस्तेमाल उन जुल्मों पर पर्दा डालने के लिए करेगी। इतना ही नहीं, गोवा और मणिपुर के आसन्न चुनावों में ईसाई वोटों को भी इस भेंट के बहाने पटाने की कोशिश करेगी। इस भेंट का इस्तेमाल नगालैंड, मिजोरम तथा देश के अन्य हिस्सों में रहनेवाले ईसाइयों को लुभाने के लिए भी किया जाएगा। यह संदेह निराधार नहीं है लेकिन सरकार के प्रवक्ता ने दोटूक शब्दों में कहा है कि इस भेंट के दौरान धर्मांतरण का सवाल उठा ही नहीं। धर्मांतरण के सवाल पर भाजपा–शासित राज्य कड़े कानून बना रहे हैं और संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने भय और लालच दिखाकर किए जा रहे धर्मांतरण को अनैतिक और अवैधानिक बताया है। सिर्फ संख्या बढ़ाने के लिए धर्म–परिवर्तन कराने के गलत तरीकों पर पोप भी कोई रोक नहीं लगाते। अब तो पोपों की व्यक्तिगत पवित्रता पर कभी सवाल नहीं उठता लेकिन यूरोप में उसके पोप–शासित हजार साल के समय को अंधकार–युग माना जाता है। इस काल में पोपों को अनेक कुत्सित कुकर्म करते हुए और लोगों को ठगते हुए पाया गया है। इसीलिए ईसाई परिवारों में पैदा हुए वाल्तेयर, विक्टर ह्यूगो, कर्नल इंगरसोल और बुकनर जैसे विख्यात बुद्धिजीवियों ने पोप–लीला के परखचे उड़ा दिए थे। केथोलिक चर्च के इसी पाखंड पर प्रहार करने के लिए कार्ल मार्क्स ने धर्म को अफीम की संज्ञा दी थी। आशा है, पोप फ्रांसिस जब भारत आएंगे तो वे अपने पादरियों से कहेंगे कि ईसा के उत्तम सिद्धांतों का प्रचार वे जरुर करें लेकिन सेवा के बदले भारतीयों का धर्म नहीं छीनें।

(लेखक सुप्रसिद्ध पत्रकार हैं)

कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाएं, त्योहारों की खुशियां बढ़ाएं : डॉ. सूर्य कांत

कोरोना कम हुआ है न कि अभी ख़त्म हुआ, इसलिए रहें सतर्क
दुकानदार भी अपने साथ दूसरों का रखें ख्याल और मास्क लगाएं
पटाखों से दूरी सभी की सेहत के लिए है बहुत जरूरी

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। बेहतर स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि की कामना के लिए मनाये जाने वाले त्योहार धनतेरस, दीपावली, भाई दूज व छठ पूजा की खुशियाँ बरक़रार रखने के लिए जरूरी है कि अब भी हर कोई हर कदम पर कोरोना को

लेकर पूरी सावधानी बरते । कोविड टीकाकरण नहीं कराएँ हैं तो खुद के साथ घर–परिवार को सुरक्षित बनाने के लिए जल्द से जल्द टीका अवश्य लगवा लें । पहली डोज लग चुकी है और दूसरी डोज का समय आ गया है तो उसे नजरंदाज न करके समय से लगवा लें क्योंकि कोरोना से बचने के लिए दोनों डोज का लगना बहुत जरूरी है । यह कहना है किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन–उत्तर प्रदेश के कोविड टीकाकरण के ब्रांड एम्बेसडर डॉ. सूर्य कान्त का ।

डॉ. सूर्य कान्त का कहना है कि धनतेरस और दीपावली के साथ ही छठ पूजा की खरीददारी के लिए बाजार में अच्छी खासी भीड़ देखी जा सकती है । ऐसे में हर किसी को यह याद रखना है कि अभी कोरोना ख़त्म नहीं हुआ है, इसलिए इन प्रमुख त्योहारों की खुशियाँ हमेशा हमेशा के लिए बरक़रार रखने के लिए उन जरूरी बातों का जरूर ख्याल रखें जो कोरोना से सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक हैं । बाजार में खरीददारी के वक्त मास्क से मुंह व नाक अच्छी तरह से ढककर रखना है, एक दूसरे से उचित दूरी बनाकर रखना है, दुकान में प्रवेश करते वक्त और निकलते वक्त हाथों को अच्छी तरह सेनेटाइजर करना भी न भूलें । बाजार से लौटने पर जूते–चप्पल बाहर ही उतार दें, बाजार से लाये गए सामान थोड़ी देर के लिए खुले में रख दें और अच्छी तरह से साबुन–पानी से हाथ धुलने के बाद ही घर के किसी सामान को हाथ लगाएं । दुकानदार (विक्रेता) भी इस बात का पूरा ख्याल रखें कि वह दुकान–शो रूम पर पूरे समय मास्क लगाकर रखें और बीच–बीच में हाथों की स्वच्छता का भी ख्याल रखें क्योंकि वह दिनभर में न जाने कितने लोगों के संपर्क में आते हैं । इसलिए खुद के साथ दूसरों की सुरक्षा के लिए इसे अपनाना बहुत जरूरी है ।

डॉ. सूर्य कान्त का कहना है कि पटाखों की चंद सेकेण्ड की रोशनी और धमक पूरे जीवन को स्याह बना सकती है, इसलिए दीपावली पर घर–परिवार को पटाखों से दूर रखकर कोरोना से खुद को सुरक्षित बनाने के साथ ही दूसरों को भी सुरक्षित बनाने का नेक काम किया जा सकता है । पटाखों से पूरी तरह से तौबा करने में ही सच्ची समझदारी है क्योंकि हम सभी को पता चल गया है कि कोरोना सबसे ज्यादा फेफड़ों पर ही असर डालता है । पटाखों का शोर और उसका धुआं हमारी साँसों और फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है । इसलिए खुद के साथ, घर–परिवार और समुदाय को सुरक्षित बनाने के लिए इस बार पटाखों से दूर रहें । पटाखों का धुआं व शोर किसी बीमार की स्थिति को गंभीर बना सकता है, इसलिए उनका भी ख्याल रखना हम सभी की जिम्मेदारी है । इसलिए कोरोना व अन्य संक्रामक बीमारियों को देखते हुए वैसे भी इस बार पटाखों से तौबा करने में ही हर किसी की भलाई है और यदि पटाखे जलाना ही है तो ग्रीन पटाखों का चयन करें । यह जरूर ध्यान रखें कि सेनेटाइजर लगे हाथों से कतई पटाखों को न छुएं क्योंकि सेनेटाइजर का अल्कोहल व अन्य केमिकल पटाखों के बारूद के संपर्क में आते ही उत्साह के रंग में भंग डाल सकता है।

दुल्हन से इंगेजमेंट करने दूल्हा आया हेलीकॉप्टर से

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। सोमवार को पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुमन देवेंद्र निरंजन की बेटी निशि की सगाई थी। दूल्हा देवगांव निवासी संतकुमार पटेल का बेटा नीरज पटेल जो जीआईसी डकोर में अध्यापक है, का आगमन हैलीकॉप्टर से था। सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलिराज शाही, इंस्पेक्टर उदयभान गौतम के अलावा कई थानेदारों और भारी पुलिस बल को लगाया गया था। शाम 4 बजे दूल्हे के उड़नखटोले ने वहां लैंड किया और दुल्हन निशि को लेकर उसमें एक बार फिर सवार होकर आसमान में कई चक्कर लगाए। इस दौरान वहां तमाशबीनों की भी भारी भीड़ रही।

स्व0 सरदार बल्लभ भाई पटेल व पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित

अवध की आवाज ब्यूरो

निघासन खीरी। उत्तर प्रदेश काग्रेस कमेटी के आहवान पर टिकट की प्रबल दावेदारी काग्रेस कमेटी की महिला प्रदेश सचिव ऊषा दीक्षित ने बथुवा नौरंगाबाद समेत कई गांवों का भृमण कर कॉंग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तीन फ्री सिलेंडर आशा ऑगनवाडी वर्कर को दस दस हजार रुपये और हर महिला को सरकारी बस में फ्री यात्रा का एलान किया है। वही यूपी में महिलाओं को 40: विधानसभा चुनाव टिकट

सरकार के बारे में बताया लौहपुरूष पूर्व गृह मंत्री स्व0 सरदार बल्लभ भाई पटेल और आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया प्रदेश सचिव ऊषा दीक्षित ने कहा आज महिलाओं का सम्मान करते हुए उत्तर प्रदेश की काग्रेश महिला देकर जीजान से चुनाव लड़ाया जायेगा में लड़की हूँ लड़ सकती हूँ में किसी डरती नही हूँ मै किसान की बेटी हूँ खेती करुँगी इस मौके पर अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष अब्दुल बारी खूबचंद क्रांति देवी सभासद वाजिद हुसैन मनीषा रूबी अंजली समेत काग्रेश कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स के साथ दीप प्रज्वलित कर मतदाता पंजीकरण का शुभारंभ किया

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। मा.भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अर्हता तिथि एक जनवरी 2022 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण व मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए महिलाओ की सहभागिता बढ़ाये जाने हेतु सभी उपस्थित कालेज शिक्षिकाओं व छात्राओं का आवाहन किया। उन्होंने मौजूद छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु वाली सभी छात्राएं

आगाज हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दयानंद वैदिक कॉलेज में जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने कॉलेज की बालिकाओं व एनसीसी कैडेट्स के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन ने निर्वाचक नामावलियों के विशेष मतदाता बने और लोकतंत्र को मजबूत करें। मताधिकार का प्रयोग करना भारत के हर एक नागरिक की जिम्मेदारी भी है, जिससे राज्य और देश का नेतृत्व करने वाले एक कुशल प्रशासक का चुनाव हो सके। इसलिए मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित युवा मतदाता पुनरीक्षण अभियान में भागीदारी निभाकर मतदाता बनें।

अठ्ठारह वषहृय गायब हुए युवक की एक सप्ताह बाद मिली लाश गांव में पसरा सन्नाटा

अवध की आवाज ब्यूरो

खोड़ारे गोण्डा। थानाक्षेत्र अंतर्गत एक अठ्ठारह वर्षीय युवक सन्दीप उर्फ सचिन पुत्र विनोद कुमार निवासी कुकनगर ग्रांट के मजरा रामदत्त डीह के गुम होने की सूचना 22 अक्टूबर 2021 को पिता के द्वारा सम्बन्धित थाने पर गुमसुदगी दर्ज कराई थी जिसका शव दिनांक 31 अक्टूबर को देर परिजनों द्वारा पहचान के बाद सन्दीप उर्फ सचिन के रूप में पहचान हुवा जिसके पश्चात मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर शव को जिला मुख्यालय पीएम के लिए भेज कर फोरेंसिक टीम व डॉग स्कवाड तथा एसओजी टीम की सहायता से पुलिस की जांच पड़ताल जारी

शाम को मृतक के घर से लगभग 500 मीटर दूर गन्ने के खेत मे मिलने की सूचना से गाँव मे व परिजनों में कोहराम मच गया सूचना पर पहुँचे प्रभारी निरीक्षक खोडारे महेंद्र कुमार सिंह पुलिस कर्मियों के साथ घटना स्थल पर पहुच कर शव को अपने कब्जे में लेकर है ।प्रभारी निरीक्षक खोडारे महेंद्र कुमार सिंह ने सीयूजी मोबाइल पर बात करने पर बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर शव को जिला मुख्यालय पीएम के लिये भेज कर जांच किया जा रहा है ।

बलिया में रसोई गैस के रिसाव से लगी आग में झुलस कर मां–बेटे की मौत

बलिया, (वेब वार्ता)। बलिया जिले के सिकंदरपुर क्षेत्र में रसोई गैस के रिसाव से लगी आग में झुलस कर एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के बघुड़ी गांव में पिछले सप्ताह रसोई गैस के रिसाव से लगी आग में अखिलेश्वरी देवी (50) और उनके पुत्र नितिन (23) तथा राहुल झुलस गए थे। उन्हें गम्भीर स्थिति में गोरखपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान सोमवार को अखिलेश्वरी देवी और नितिन की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीपावली विशेष : कैसे करें लक्ष्मी पूजन की तैयारी, 12 काम की बातें पंडित अशोक कुमार मिश्रा

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दीपावली पर सबसे बड़ा काम होता है महालक्ष्मी पूजन की विधिवत तैयारी। यहां हम आपके लिए लाए हैं लक्ष्मी पूजन तैयारी की सरल लेकिन प्रामाणिक विधि। सबसे पहले चौकी पर लक्ष्मी व गणेश की मूर्तियां रखें उनका मुख पूर्व या पश्चिम में रहे।
लक्ष्मीजी, गणेशजी की दाहिनी ओर रहें।पूजनकर्ता मूर्तियों के सामने की तरफ बैठें। कलश को लक्ष्मीजी के पास चावलों पर रखें। नारियल को लाल वस्त्र में इस प्रकार लपेटें कि नारियल का अग्रभाग दिखाई देता रहे व इसे कलश पर रखें। यह कलश वरुण का प्रतीक है। दो बड़े दीपक रखें। एक घी का, दूसरा तेल का। एक दीपक चौकी के दाईं ओर रखें व दूसरा मूर्तियों के चरणों में। एक दीपक गणेशजी के पास रखें। मूर्तियों वाली चौकी के सामने छोटी चौकी रखकर उस पर लाल वस्त्र बिछाएं। कलश की ओर एक मुट्ठी चावल से लाल वस्त्र पर नवग्रह की प्रतीक नौ ढेरियां बनाएं। गणेशजी की ओर चावल की सोलह ढेरियां बनाएं। ये सोलह मातृका

की प्रतीक हैं। नवग्रह व षोडश मातृका के बीच स्वस्तिक का चिह्न बनाएं। इसके बीच में सुपारी रखें व चारों कोनों पर चावल की ढेरी। सबसे ऊपर बीचोंबीच लिखें। छोटी चौकी के सामने तीन थाली व जल भरकर कलश रखें। थालियों की निम्नानुसार व्यवस्था करें– 1. ग्यारह दीपक, 2. खील, बताशे, मिठाई, वस्त्र, आभूषण, चन्दन का लेप, सिन्दूर, कुंकुम, सुपारी, पान, 3. फूल, दुर्वा, चावल, लौंग, इलायची, केसर–कपूर, हल्दी–चूने का लेप, सुगंधित पदार्थ, धूप, अगरबत्ती, एक दीपक। अब विधि–विधान से पूजन करें।

सपा का हर महीने की तीन तारीख को 'लखीमपुर किसान स्मशति दिवस' मनाने का आह्वान

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी ने लखीमपुर खीरी मामले में 'भाजपा की क्रूरता' के बारे में लोगों को याद दिलाने के लिए हर महीने की तीन तारीख को 'लखीमपुर किसान स्मशति दिवस' मनाने का आह्वान किया है। समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के समस्त निवासियों, किसानों के शुभचिंतकों और सपा तथा अन्य सहयोगी दलों से अपील है कि अब से हर महीने की तीन तारीख को लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाए और लोगों को भाजपा की क्रूरता की याद दिलाएं। तीन नवंबर को सब किसान स्मृति दीप जलाएं और अन्नदाताओं का मान बढ़ाएं। गौरतलब है कि तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकोनिया इलाके में हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में केंद्रीय गशह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस वारदात के बाद विपक्षी दलों ने भाजपा पर जमकर हमला किया। वे इस मामले में केंद्रीय गशह राज्य मंत्री की बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

सम्पत्ति बंटवारे को लेकर बेटे ने की पिता की हत्या

अवध की आवाज ब्यूरा

मनकापुर गोंडा। धानेपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत पूरे पंडित वृंदावन के अहिरन डीहवा में संपत्ति विवाद के चलते बेटे ने अपने पिता की धारदार हथियार से की हत्या कर दी।हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौकाए वारदात से शव

को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मुख्यालय भेज दिया है।लोगों के अनुसार मृतक हीरा लाल के तीन बेटे हैं उनके बीच बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था उसी खुन्नस में बेटे ने पिता की फावड़े से हत्या कर दी।हीरा लाल के छोटे बेटे पवन ने अपने भाइयों के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है।पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।इस घटना से जहां एक तरफ पिता पुत्र का रिश्ता कलंकित हुआ है तो वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है।फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की पड़ताल की है।थानाध्यक्ष शेषमणि पांडेय ने बताया है की तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर हत्या के आरोपियों की तलाश की जा रही है।

नौनिहाल को पाकर परिजन हुए खुश,पुलिस को कहा धन्यवाद

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। धानेपुर थानाक्षेत्र अंतर्गत उज्जैनीकला की रहने वाली लीलावती पत्नी कमल किशोर को लोनियन पुरवा गांव के पास एक चार वर्षीय बच्चा आज लावारिस हालत में मिला था।याकूबगंज में स्थित ग्रामीण बैंक के पास पहुंची महिला ने बैंक ड्यूटी पर तैनात मुख्य आरक्षी दयानंद यादव तथा अन्य से बच्चे के परिजनों को ढूंढने में मदद की गुहार लगाई थी।जिसपर पुलिस द्वारा लड़के के माता–पिता को ढूंढने का प्रयास किया गया।मुख्य आरक्षी डी.एन.यादव ने बताया कि काफी ढूंढने पर पता चला कि लड़का इमामुद्दीन पुत्र सिराजुद्दीन हाड़क पुरवा गांव का रहने वाला है जो किसी कारणवश रास्ता भटककर दूसरे रास्ते पर चला गया था।उन्होने बताया कि काफी खोजबीन कर बच्चे को उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।पुलिस द्वारा किए गए इस कार्य की क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है।

सशक्त एवं प्रभावी पैरवी से दहेज हत्या के आरोपियों को हुई आजीवन कारावास व रू0 10,000–10,000/– के अर्थदण्ड की सजा

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 16.05.2019 को थाना खरगूपुर क्षेत्र के अन्तर्गत अभियुक्त राजेश वर्मा पुत्र ननके उर्फ सत्य नरायन नि0 बढ़ई पुरवा मौजा रंजीतपुर थाना खरगूपुर जनपद गोंडा ने अपने परिजनों के साथ मिलकर विवाह के 03 साल के अंदर ही अपनी पत्नी को दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर प्रताड़ित करते हुए जान से मार दिया था। जिसमे पुलिस द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत कर उक्त अभियुक्त व उसके परिजनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। दहेज हत्या के अपराध की इस घटना को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल ने प्राथमिकता के आधार पर इसकी निरन्तर प्रभावी पैरवी की। मॉनिटरिंग सेल व थाना खरगूपुर के पैरोकार राहुल यादव के द्वारा निरंतर की गई सशक्त व प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्त– 01. राजेश वर्मा(पति), 02. ननके उर्फ सत्य नारायण (ससुर) को माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट गोंडा ने आजीवन कारावास कारावास व रू0 10,000–10,000/– के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियुक्त राजेश वर्मा पुत्र के उर्फ़ सतनारायण निवासी बढ़ई पुरवा मौजा रंजीतपुर थाना खरगूपुर जनपद गोंडा ननके उर्फ़ सतनारायण पुत्र प्यारेलाल निवासी बढ़ई पुरवा मौजा रंजीतपुर थाना खरगूपुर जनपद गोंडा का निवासी को थाना खरगूपुर में मुख्य अपराध संख्या 101/19 धारा 498ए 304बी/ 302 भारतीय दंड प्रधान व 3/4डी एक्ट थाना खरगूपुर जनपद गोंडा में अभियोग पंजीकृत किया गया।

किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाएगी उत्तर प्रदेश सरकार, वाराणसी में बनेगा संयंत्र: मंत्री

मथुरा, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाने का काम करेगी। मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के तहत पहले संयंत्र की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में की जाएगी। संयंत्र के दो माह में शुरू होने की उम्मीद है। मंत्री सोमवार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा 'विकास परियोजना' के तहत वाराणसी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ समेत चार पक्षों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के अवसर संबोधित कर रहे थे। डिजिटल तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से प्रधानमंत्री की किसानों की आय दोगुनी करने की योजना के तहत डेयरी संयंत्र की उपयोगिता बढ़ जाएगी। इससे किसानों के साथ–साथ दुग्ध संघ को भी अधिक से अधिक मुनाफा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार डेयरी पर दूध लाने वाले किसानों से गोबर खरीदकर बिजली बनाएगी। इससे जहां एक ओर किसानों को अतिरिक्त आय होगी, वहीं गोबर का सही ढंग से इस्तेमाल भी होगा। संयंत्र से निकले गोबर अपशिष्ट से जैविक खाद तैयार की जाएगी। चौधरी ने कहा कि यह पहल दुग्ध उत्पादकों के दूध । उत्पादन खर्चों को कम करने और ग्राम स्तर पर निष्पक्ष और पारदर्शी दूध खरीद प्रणाली स्थापित करने में मदद करेगी।

रिनजिंग डेंजोंगपा की पहली फिल्म स्क्वाड का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। दिग्गज अभिनेता डैनी डेंजोंगपा के बेटे रिनजिंग डेंजोंगपा की पहली फिल्म स्क्वाड का ट्रेलर सोमवार को जारी किया गया। फिल्म में पूर्व बाल अभिनेत्री मालविका राज भी हैं। नीलेश सहाय द्वारा निर्मित, निर्देशित और लिखित, स्क्वाड में पूजा बत्रा, मोहन कपूर, अमित गौर, तनीषा ढिल्लन, दिशिता जैन भी हैं और यह देश के विशेष बलों से स्क्वाड की यात्रा के माध्यम से बहुत कुछ सीखा है। करण जौहर की कभी खुशी कभी गम में युवा पू का किरदार निभाने वाली मालविका राज अब बड़ी हो गई हैं और इस फिल्म से डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे कभी नहीं पता था कि मेरे पास इतनी ताकत है, जब मुझे बताया गया कि फिल्म में मुझे रिनजिंग के साथ बहुत सारे एक्शन करना होगा,

के बीच की लड़ाई के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसके केंद्र में एक छोटी लड़की है। रिनजिंग डेंजोंगपा ने कहा कि हम यह देखने के लिए बहुत उत्साह है कि लोग फिल्म को कैसे प्रतिक्रिया देंगे और मुझे वास्तव में उम्मीद है कि वे इसे देखेंगे और इसे पसंद करेंगे। मैंने व्यक्तिगत रूप लेकिन नीलेश ने वास्तव में हम पर उतना विश्वास किया, जितना हम खुद पर विश्वास करते थे और इससे वास्तव में मदद मिली। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे उतना ही प्यार देंगे, जितना उन्होंने मुझे उस समय के3जी के लिए दिया था। स्क्वाड 12 नवंबर को जी5 पर रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

रानी मुखर्जी: बॉलीवुड में प्रतिभाशाली एक्टर्स की हो रही एंट्री

मुंबई, (वेब वार्ता)। अभिनेत्री रानी मुखर्जी जल्द ही बंटी और बबली 2 में धमाल मचाती नजर आने वाली है। रानी ने डेब्यूटेंट शरवरी की प्रशंसा की है और कहा कि प्रतिभाशाली न्यूकमर को उद्योग में आते देखना आश्चर्यजनक है क्योंकि वे उद्योग को आगे बढ़ाने और आकार देने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। रानी ने कहा कि शर्वरी बहुत प्रतिभाशाली है और वह स्क्रीन लुभावनी दिखती है। उसने वास्तव में मुझे अपने कौशल से आश्चर्यचकित किया है और मुझे लगता है कि उसका आगे बहुत उज्जवल भविष्य है। शरवरी एक बहुत ही आत्मविश्वासी कलाकार हैं और उन्होंने फिल्म के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है। प्रतिभाशाली नवागंतुकों को उद्योग में आते देखना आश्चर्यजनक है क्योंकि वे आने वाले वर्षों में उद्योग को आकार देने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। रानी का कहना है कि बंटी और बबली 2 शरवरी के लिए एकदम

सही लॉन्चपैड है। यह उन्हें बड़े पर्दे पर हिंदी फिल्म की नायिका के रूप में प्रस्तुत करती है। स्क्रीन पर उनकी उपस्थिति शानदार है और वह स्क्रीन पर चमकती हैं। यशराज फिल्म्स की बंटी और बबली 2 19 नवंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म एक गुदगुदाने वाली कॉमेडी है, जो अलग–अलग पीढ़ियों के दो कलाकारों को एक–दूसरे के सामने खड़ा करेगी, क्योंकि वे अलग अलग भेष में अपनी महारत दिखाते हैं,और एक दूसरे को मात देते है। रानी को लगता है कि शरवरी अपनी स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों को लुभाएगी।

ऐश्वर्या ने अभिषेक, आराध्या के साथ मनाया अपना जन्मदिन

मुंबई, (वेब वार्ता)। ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने 48 वें जन्मदिन पर एक फैमली फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। फोटो में अभिनेत्री को अपनी बेटी आराध्या के साथ मैचिंग फ्लोरल टियारा लगाए नजर आ रही हैं। ऐश्वर्या ने पोस्ट को कैप्शन दिया, आई लव यू फॉरएवर एंड बियॉन्ड। ऐश मे एक और तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अपनी मां वशंदा राय और आराध्या के साथ पोज देती नजर आ रही थी। उन्होंने लिखा, आपको प्यार, आपके बिना शर्त प्यार और आशीर्वाद के लिए ध

न्यवाद। अभिषेक ने शनिवार को पूल के किनारे ऐश्वर्या की पोज देते हुए एक तस्वीर शेयर की थी। उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे वाइफी! आपने हमें पूरा किया। हम आपसे प्यार करते हैं। ऐश्वर्या चार साल बाद मणिरत्नम की महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक फिक्शन फिल्म पोन्नियिन सेलवन से वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐश्वर्या आखिरी बार 2018 की फन्ने खां में नजर आई थीं।

आईफोन में कार क्रैश डिटेक्शन टूल ला रहा एप्पल

सैन फ्रांसिस्को, (वेब वार्ता)। टेक दिग्गज एप्पल कथित तौर पर एक नए आईफोन और एप्पल वॉच फीचर पर काम कर रही है जो यह पता लगाता है कि क्या आपकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। अगर ऐसा करने की सुविधा शामिल है। ठीक उसी तरह जैसे आधुनिक वाहनों में कार सेवाएं इस फीचर को कनेक्ट करती हैं, जिसमें जीएम के ऑनस्टार, सुबारू के स्टारलिंक और फिएट क्रिसलर के यूकनेक्ट शामिल

होता है तो स्वचालित रूप से यह टूल 911 डायल करता है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, कंपनी की अगले साल इस तरह की सुविधा शुरू करने की है। पिक्सेल फोन पर गूगल के व्यक्तिगत सुरक्षा ऐप में पहले से ही कार दुर्घटनाओं का पता लगाने पर मदद के लिए कॉल हैं। दि वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, आज सड़क पर कई कारें किसी भी कनेक्टिविटी सुविधाओं से लैस नहीं हैं, इसलिए एक आईफोन पर क्रैश डिटेक्शन प्राप्त करने का मतलब है कि अधिक ड्राइवरों को दुर्घटना में उनकी सहायता की आवश्यकता हो सकती है। एप्पल के अनुसार, कारों में असुरक्षित स्मार्टफोन के उपयोग ने कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो जैसे एकीकरण सिस्टम के लिए रास्ता बनाया है, जो कि 2020 में लगभग 80 प्रतिशत नए वाहनों में दिखाई दे रहा था। कारप्ले के साथ आईफोन में एक नया क्रैश डिटेक्शन फीचर बनाने से एप्पल के अफवाह वाले आयरनहार्ट प्रोजेक्ट को उसी तरह से कार सेटिंग्स के साथ जोड़ने के लिए कहा जा सकता है जैसे होमकिट स्मार्ट स्पीकर और लाइटिंग को नियंत्रित करता है। जबकि एप्पल की दुर्घटना का पता लगाने ने हमेशा पहले की तरह काम नहीं किया है, कंपनी के पास इच्छुक आईओएस और वॉचओएस उपयोगकर्ताओं पर डेटा और एनालिटिक्स एकत्र करने के लिए कई साल हैं। यह देखा जाना बाकी है कि एप्पल कार दुर्घटनाओं का पता लगाने में कितना सही होगा, लोगों के गिरने की तो बात ही छोड़िए।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी जारी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और मजबूती के बने रहने से लगातार सातवें दिन मंगलवार को ईंधन की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी हुई। हालांकि, इसके विपरीत, तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने डीजल दरों को अपरिवर्तित रखते हुए मंगलवार को केवल पेट्रोल के पंप मूल्य में वशद्धि की। दिल्ली में पेट्रोल की पंप कीमत 35 पैसे प्रति लीटर की वशद्धि के साथ 110.04 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल की कीमतें सोमवार को 98.42 रुपये प्रति

लीटर के स्तर पर रही, जो कि राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार है। आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल की कीमतें अब बढ़कर 115.84 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं जबकि डीजल 106.63 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है, जो सभी महानगरों में सबसे अधिक है। देशभर में भी, पेट्रोल की कीमतें 35–40 पैसे प्रति लीटर के बीच बढ़ीं, लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों पर स्थानीय करों के स्तर के आधार पर उनकी खुदरा दरें भिन्न रही। ईंधन की कीमतों में अब लगातार सातवें दिन 35 पैसे प्रति लीटर की वशद्धि हुई है। इससे पहले कुछ दिनों तक स्थिर करने के बाद पिछले पांच दिनों में एक बार फिर ईंधन की कीमतों में करीब 35 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। बीते 39 दिनों में से 30 दिनों में डीजल की कीमतों में वशद्धि हुई है, जिससे दिल्ली में इसकी खुदरा कीमत 9.90 रुपये प्रति लीटर हो गई है। डीजल की कीमत तेजी से बढ़ने के साथ, देश के कई हिस्सों में ईंधन अब 100 रुपये प्रति लीटर से अधिक पर मिल रहा है। यह दिल्ली में भी इस निशान को पार करने के बहुत करीब पहुंच गया है, जहां सोमवार को यह तेजी से 98.42 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। पेट्रोल की कीमतों में 5 सितंबर से स्थिरता बनी हुई थी, लेकिन तेल कंपनियों ने आखिरकार पिछले हफ्ते अपने पंप की कीमतें बढ़ा दीं और इस हफ्ते उत्पाद की कीमतों में तेजी आई। 5 सितंबर से, जब पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतों में बदलाव किया गया है, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमत अगस्त के दौरान औसत कीमतों की तुलना में लगभग 9–10 डॉलर प्रति बैरल अधिक है।

हिलौली में कर्मचारी सम्मान समारोह के दौरान बोले विधानसभा अध्यक्ष

अवध की आवाज ब्यूरो

मौरावा उन्नाव। हिलौली में कर्मचारी सम्मान समारोह के दौरान बोले विधानसभा अध्यक्ष प्रमाणिक और राष्ट्रभक्त की राजनीति का विकास होना चाहिए संविधान भारत के लोगों ने गढा है शासक को जनता की चिंता करनी चाहिए शुरुआत है यह एक अच्छी पहल है कहां की जाती और दल के आधार पर कार्य नहीं करना चाहिए श्री दीक्षित जी ने बाल्मीकि रामायण का उदाहरण देते हुए राम और भरत के संवाद के कुछ अंश भी कहा सम्मान समारोह में पूर्व विधायक अनिल सिंह भी

उक्त विचार विकासखंड हिलौली में आयोजित सफाई कर्मी ब्लॉक कर्मी एवं पत्रकारों के सम्मान समारोह में विधानसभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने व्यक्त किए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जुड़े वरिष्ठ जनों का सम्मान करने एवं सफाई कर्मचारियों का सम्मान करने की सोच एक नई परंपरा की मौजूद रहे उन्होंने सरकार के कार्यों की सराहना करते हुए ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद साधुवाद हिलौली ब्लाक में ऐसा कार्यक्रम पूर्व में कभी नहीं हुआ जो कार्यक्रम ब्लाक प्रमुख श्री दिलीप दीक्षित जी के द्वारा सफाई कर्मियों गणमान्य लोगों का पत्रकार भाइयों का स्वागत सम्मान कराया गया।

लखनऊ में पदयात्रा पर निकलेंगी प्रियंका

लखनऊ, (वेब वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 11 नवंबर को लखनऊ के विभिन्न हिस्सों में पदयात्रा शुरू करेंगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यात्रा चौक स्थित बड़ी काली मंदिर से शुरू होगी और पुराने शहर से होते हुए दरगाह हजरत अब्बास पर खत्म होगी। नगर कांग्रेस कमेटी के बौद्धिक प्रकोष्ठ ने पत्र जारी कर लोगों को आयोजन की जानकारी दी। पदयात्रा का उद्देश्य उन्हें उत्तर प्रदेश में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कांग्रेस द्वारा किए गए वादों से अवगत कराना है। पत्र में शहर के लोगों से महिलाओं और आम जनता के हित में कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने का भी आग्रह किया गया है। यात्रा के मार्ग का उद्देश्य राज्य की राजधानी में धर्मनिरपेक्ष राग को पुनर्जीवित करना है। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा, प्रियंका लखनऊ की प्रसिद्ध गंगा जमुनी तहजीब पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिसने हाल के वर्षों में एक अत्यधिक ध्रुवीकृत समाज में बाजी मार ली है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि यात्रा लोगों को याद दिलाएगी कि भारत को बांधने वाला धागा एक साझा विरासत है जो जाति, धर्म और विविधता के अन्य तत्वों के दायरे से ऊपर है।

देश में २५० दिनों में कोविड-१९ के उपचाराधीन मामले सबसे कम

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। देश में मंगलवार को पिछले 259 दिनों में, कोविड–19 के सबसे कम 10,423 नये मामले सामने आए जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,53,776 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। वहीं, पिछले 24 घंटों में सामने आए नये मामलों के बाद देश में संक्रमण की चपेट में आ चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 3,42,96,237 हो गई है। सुबह आठ बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक 443 और मरीजों की मौत होने से मशतक संख्या 4,58,880 पर पहुंच गई है। कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों में दैनिक वशद्धि पिछले 25 दिनों से 20,000 से कम है और रोजाना के नये मामले अब लगातार 128 दिनों से 50,000 के आंकड़े से नीचे रह रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि इलाज करा रहे मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों की 0.45 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है जबकि कोविड–19 से स्वस्थ होने की दर 98.21 प्रतिशत है जो पिछले साल मार्च से सबसे अधिक है। पिछले 24 घंटों में कोविड–19 के उपचाराधीन मामलों में से कुल 5,041 मामले घटे हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

व्यापारी कर रहे ओपेक समूह की बैठक का इंतजार, तेल की कीमतों में तेजी जारी

न्यूयॉर्क, (वेब वार्ता)। सोमवार को तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। व्यापारी पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और उसके सहयोगियों की एक प्रमुख बैठक होने का इंतजार है जिसे ओपेक समूह कहा जाता है।

न्यू यॉर्क मर्केंटाइल एक्सचेंज में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट ने दिसंबर डिलीवरी के लिए 48 सेंट जोड़ा और 84.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। लंदन आईसीई फ्यूचर्स एक्सचेंज में जनवरी डिलीवरी के लिए ब्रेंट क्रूड 99 सेंट बढ़कर 84.71 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ओपेक समूह की गुरुवार को बैठक होने की उम्मीद है, जिसमें कच्चे तेल के उत्पादन की योजना पर चर्चा होगी। समूह पिछले साल की गई रिकॉर्ड उत्पादन कटौती को धीरे–धीरे कम कर रहा है।

उन्होंने कहा, गठबंधन में दो प्रमुख देशों, सऊदी अरब और रूस द्वारा की गई टिप्पणियों से संकेत मिला है कि दिसंबर में उत्पादन 4,00,000 बैरल प्रतिदिन की योजना के अनुसार बढ़ाया जाएगा। अन्य दो दिग्गज देशों इराक और कुवैत ने हाल ही में समान प्रतिक्रिया व्यक्त की। 29 अक्टूबर को समाप्त के अंत में, यूएस क्रूड बेंचमार्क 0.2 फीसदी गिरा जबकि ब्रेंट 1.3 फीसदी गिरा।

सशक्त एवं प्रभावी पैरवी से दहेज हत्या के आरोपियों को हुई आजीवन कारावास व रू0 10,000–10,000/– के अर्थदण्ड की सजा–

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 16.05.2019 को थाना खरगूपुर क्षेत्र के अन्तर्गत अभियुक्त राजेश वर्मा पुत्र ननके उर्फ सत्य नरायन नि0 बढ़ई पुरवा मौजा रंजीतपुर थाना खरगूपुर जनपद गोंडा ने अपने परिजनों के साथ मिलकर विवाह के 03 साल के अंदर ही अपनी पत्नी को दहेज की अतिरिक्त मांग को लेकर प्रताड़ित करते हुए जान से मार दिया था। जिसमे पुलिस द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत कर उक्त अभियुक्त व उसके परिजनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। दहेज हत्या के अपराध की इस घटना को पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल ने प्राथमिकता के आधार पर इसकी निरन्तर प्रभावी पैरवी की। मॉनिटरिंग सेल व थाना खरगूपुर के पैरोकार राहुल यादव के द्वारा निरंतर की गई सशक्त व प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्त– 01. राजेश वर्मा(पति), 02. ननके उर्फ सत्य नारायण (ससुर) को माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट गोंडा ने आजीवन कारावास कारावास व रू0 10,000–10,000/– के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

सपा ने अपने विधायक सुभाष पासी को पार्टी से निष्कासित किया

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने विधायक सुभाष पासी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की तैयारियों की खबरों के बीच मंगलवार को उन्हें पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा की। सपा ने ट्वीट किया, ''गाजीपुर की सैदपुर सीट से सपा विधायक सुभाष पासी को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में दल से निष्कासित किया जा रहा है। दो बार सपा के टिकट पर विधायक चुने गए पासी पिछले कुछ समय से भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं और उनके जल्द ही भाजपा में शामिल होने की संभावना है।

अमेरिकी नौसेना की क्षतिग्रस्त पनडुब्बी समुद्र के नीचे पर्वत से टकरायी थी: अधिकारी

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। दक्षिण चीन सागर में अक्टूबर की शुरुआत में एक टक्कर में क्षतिग्रस्त हुई अमेरिकी नौसेना की एक पनडुब्बी समुद्र के नीचे एक पर्वत से टकरायी थी। दो रक्षा अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी। नौसेना ने अभी यह नहीं बताया है कि कैसे और क्यों यूएसएस कनेक्टिकट समुद्र के नीचे पर्वत से टकरायी या उसे कितना नुकसान पहुंचा है। नौसेना ने बताया कि पनडुब्बी का परमाणु रिएक्टर और उसकी प्रणोदन प्रणाली क्षतिग्रस्त नहीं हुई है। टक्कर से चालक दल के सदस्यों को मामूली चोटें आईं। पनडुब्बी के समुद्र के नीचे एक पर्वत से टकराने की सबसे पहले खबर देने वाली 'यूएसएनआई न्यूज' ने बताया कि पनडुब्बी के आगे के हिस्से को पहुंचे नुकसान से उसका बैलेस्ट टैंक क्षतिग्रस्त हो गया है। यह घटना दो अक्टूबर की है लेकिन नौसेना ने पांच दिन बाद इसकी जानकारी दी।

यूपी: अयोध्या में बड़े पैमाने पर दीपोत्सव का आयोजन

अयोध्या, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में दीपोत्सव समारोह सोमवार शाम से बड़े पैमाने पर शुरू हुआ। भव्य समारोह के लिए राजसी राम की पैड़ी घाट को रंग–बिरंगी रोशनी से सजाया गया। घाट दीपोत्सव समारोह का मुख्य स्थल है जो बुधवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर 9 लाख मिट्टी के दीयों से रोशन होगा। दीपोत्सव लगातार पांचवें वर्ष आयोजित किया जा रहा है और सभी उत्सव के साथ इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। समारोह की शुरूआत राम कथा पार्क में शिल्प बाजार के उद्घाटन के साथ हुई। उद्घाटन के दिन नागपुर की प्रसिद्ध वटकर बहनों भाग्यश्री और धनश्री ने रामायण के विभिन्न भागों का संगीतमय गायन प्रस्तुत किया। लखनऊ की ईशा रतन और मीशा रतन ने कथक नश्त्य प्रस्तुत किया, जबकि प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा ने अपने भक्ति गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नेपाल के जनकपुर के कलाकारों के एक समूह ने रामायण पर प्रस्तुति दी। सभी मंदिरों, यहां तक कि संकरी गलियों और अयोध्या की गलियों में, उत्सव के अवसर के लिए सजाया और रोशन किया गया है। अयोध्या से भाजपा विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा, सोमवार को अयोध्या में दीपोत्सव समारोह शुरू हो गया। पूरे शहर को सजाया गया है। मुख्य कार्यक्रम बुधवार को निर्धारित किया गया है, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। अयोध्या प्रशासन बुधवार को राम की पैड़ी में दीया जलाने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएगा। इस साल 9 लाख मिट्टी के दीये राम की पैड़ी को रोशन करेंगे। अयोध्या प्रशासन और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने दीया जलाने के कार्य के लिए 12,000 स्वयंसेवकों को जुटाया है। अयोध्या में बत्तीस अन्य घाट भी मिट्टी के दीयों से रोशन होंगे। राज्य सरकार पहली बार दीपोत्सव पर एरियल ड्रोन शो का आयोजन कर रही है। लगभग 500 ड्रोन अयोध्या के क्षितिज पर रामायण की विभिन्न विशेषताओं को चित्रित करेंगे। इसके अलावा सरयू नदी के किनारे भव्य राम की पैड़ी पर थ्री–डी होलोग्राफिक शो, थ्री–डी प्रोजेक्शन मैपिंग और लेजर शो भी होगा।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।